वर्कशीट-1

- **दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए**

प्रश्न-1 सार किसे कहते हैं |

प्रश्न-2 सार लेखन और भाव पल्लवन में अंतर लिखिए |

सार लेखन	भाव पल्लवन

प्रश्न-3 सार लेखन के चरण कौन-कौन से होते हैं ?

वर्कशीट-2

1 निम्नलिखित गद्यांश का सार लगभग **एक-तिहाई** शब्दों में लिखिए|

समाचार पत्रों में जो भ्रष्टाचार के प्रति इतना आक्रोश है, वह यही साबित करता है कि हम ऐसी चीजों को गलत समझते हैं और समाज से उन तत्त्वों की प्रतिष्ठा कम करना चाहते हैं जो गलत तरीके से धन या मान संग्रह करते हैं| दोषों का पर्दाफाश करना बुरी बात नहीं है| बुराई यह मालूम होती है कि किसी के आचरण के गलत-पक्ष को उदघाटित करते समय उसमें रस लिया जाता है और दोषों उदघाटन को एकमात्र कर्त्तव्य मान लिया जाता है | बुराई में रस लेना बुरी बात है, अच्छाई को उतना ही रस लेकर उजागर न करना और भी बुरी बात है| सैकड़ों घटनाएँ ऐसी घटती हैं जिन्हें उजागर करने से लोकचित्त में अच्छाई के प्रति अच्छी भावना जगती है|

2 निम्नलिखित गद्यांश का **सार एक-तिहाई** शब्दों में लिखिए|

जल के बिना जीवन की कल्पना अधूरी है| हम सब जानते हैं कि हमारे लिए जल कितना महत्वपूर्ण है| तेज गर्मी के चलते लोग एक–एक बूंद के लिए तरस रहे हैं| लेकिन ये बातें हम तक भूल जाते हैं जब अपनी टंकी के सामने मुँह धोते हुए पानी को बरबाद करते हैं| जब हम कई लीटर मूल्यवान पानी अपनी कार धोने में खर्च कर देते हैं| आज पूरी दुनिया के सामने पीने के पानी की समस्या है| पृथ्वी पर तीन चौथाई पानी होने के बाद भी पीने योग्य पानी सीमित मात्रा में है| नदियों, तालाबों और झरनों को पहले ही हम केमिकल की भेंट चढ़ा चुके हैं| प्रकृति के खजाने से हम जितना पानी लेते हैं उसे वापस भी हमें लौटना है| हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते, इसलिए प्राकृतिक संसाधनों को दूषित नहीं होने देते दें, और पानी को व्यर्थ न गँवाएँ |